

caus. *wechsellern, ändern* (?): रणाजिरम् MBh. 1, 1184. *inter se confundere et turbare* GILD.

— प्रति Jmd (acc.) zu Theil werden M. 1, 81. — Vgl. प्रतिवर्त्सन, प्रतीवर्त्त und मन्दप्रतीवृत्त SIDDHANTAÇIR. S. 137. — caus. *schleudern gegen*: त्वमायसं प्रति वर्त्तयो गोर्दिवो अग्रमानम् RV. 1, 121, 9.

— वि 1) *rollen, laufen, sich drehen*: चक्रं वि वावृते RV. 1, 164, 14. 166, 9. वि वर्त्तते अर्कनी चक्रियैव 185, 1. 6, 9, 1. एवं द्वादशभिरैर्विवर्त्तते कालचक्रमिदम् H. 128. अयं यो वज्रः पुरुधा विवृत्तः *sich schlängelnd, zerfahren* RV. 10, 27, 21. *sich wälzen* MBh. 3, 11953 (act.). HARIV. 10535. अङ्गे R. GORR. 2, 105, 16. *zappeln*: कालकण्ठमुखकन्दरविवर्त्तमानमिव भूतजातम् UTTARAK. 105, 11 (143, 3). *sich krampfhaft bewegen* R. 4, 22, 25. *sich hin und her bewegen, hin und her ziehen*: विवर्त्तते (विवर्धते die neuere Ausg.) जलधराः HARIV. 3822. R. 3, 30, 4. *विवृत्त sich nach allen Seiten drehend, von Augen* R. 2, 87, 2. 4, 21, 37. 5, 39, 16. BHĀG. P. 3, 9, 16. 7, 4, 13. MĀRK. P. S. 655, ÇI. 1. जालं वाणमयं विवृत्तम् MBh. 5, 7209. *विवृत्ताङ्ग verdreht* R. 2, 63, 46. — 2) *sich abwenden, sich entfernen, fortlaufen; sich trennen, abscheiden* RV. 5, 53, 7. युजा वि वावृते 10, 33, 9. AV. 10, 1, 19. पाप्मना KĪTĪ. 12, 11. ÇAT. Br. 2, 2, 2, 17. 11, 2, 5, 3. अथो पद्यव वा जिप्रेदि वा वर्त्तते 13, 3, 2, 16. अयाः PAÑĀT. Br. 13, 9, 16. KĀTJ. ÇR. 1, 8, 24. यत्रासौ केशात्तो विवर्त्तते *sich theilen* TAITT. Up. 1, 6, 1. *seinen Platz ändern* SUÇR. 1, 26, 7. *sich wenden, sich umwenden*: तामितः पुरतश्च पश्चादन्वर्त्तः परित एव विवर्त्तमानाम् MĀLATIM. 24, 13. RAGH. 19, 38. ÇĀK. 59. KATHĀS. 10, 120. 19, 114. अर्वाक् MĀRK. P. 47, 26. *विवर्त्तमाने तिगमंशौ zum Untergange sich neigend* MBh. 7, 3754. *विवृत्त umgewandt, gebogen*: °वदना ÇĀK. 45. त्रिक RAGH. 6, 16. पार्श्व BHATT. 2, 16. कटाक्ष BHĀG. P. 9, 10, 13. *vom rechten Wege abkommen*: कमिवार्थं विवर्त्तते (निवर्त्तते ed. Bomb., = अश्रयत्तं NILAK.) स्थापयेतो न वर्त्तन्मि MBh. 5, 2861. — 3) *hervorkommen aus* (abl.) ÇAT. Br. 8, 4, 1, 25. 12, 4, 2, 2. — 4) *sich entfalten, sich entwickeln*: येनेशितं कर्म विवर्त्तते ह् ÇVETĀÇV. Up. 6, 2. जीवितं च शरीरेण ज्ञात्यैव सह ज्ञायते । उभे सह विवर्त्तते उभे सह विनश्यतः ॥ Spr. 4082. यतः सर्वं जगदताद्विवर्त्तते Verz. d. Oxf. H. 177, a, 8. Comm. zu PRAB. S. 100, Z. 1. KŪLIKOP. in Ind. St. 9, 10. SARVADARÇANAS. 140, 4. 146, 18. — 5) *sich an Jemand wagen*: त्वयाभिमुक्तं कैतियं न विवर्त्तयुरत्तिकम् MBh. 3, 8438. — 6) *द्यवर्त्त* R. 2, 42, 10 *fehlerhaft für न्यवर्त्त*, wie die ed. Bom. liest. *विवृत्त fehlerhaft für विवृत्त* KŪĀND. Up. 2, 22, 5. *विवृत्तदंष्ट्रा* (विवृद्ध^o die neuere Ausg.) *mit blossgelegten Zähnen, die Zähne zeigend* HARIV. 12949. *विवृत्तास्य* (निवृत्तास्य ed. Calc.) *aus metrischen Rücksichten statt विवृत्तास्य* 13891. *विवृत्तो-रुशिराग्रोच* R. 5, 10, 21 *eher विवृत्तो^o unbedeckt als विवृत्त verdreht*. — Vgl. विवर्त्त u. s. w. — caus. 1) *umdrehen, umwenden*: वि चर्मणीव धिषणो अचर्त्तयत् RV. 6, 8, 3. 7, 80, 1. 8, 14, 5. Comm. zu TBR. I, 76, 6. *umherdrehen* MBh. 1, 809, 13, 2361. परागः । वात्याभिर्विपति विवर्त्तितः KIR. 5, 39. RĀGĀ-TAR. 4, 635. *विवर्त्तित sich windend*: मेरुकूटान्तेभ्यो निपतन्ती विवर्त्तिता (गङ्गा) MĀRK. P. 65, 3. *umgedreht, umgewandt*: विवर्त्तिताङ्गननेत्र KUMĀRAS. 3, 51. *verbogen*: नेत्र SUÇR. 2, 199, 19. *verzogen*: भू ÇĀK. 23. — 2) *entfernen, davongehen lassen; ausscheiden* RV. 5, 48, 3. AV. 10, 7, 26. अन्वजैय वि वर्त्तय *nämlich den Wagen* 11, 2, 21. — अतिवि caus. *zu weit von einander entfernen* so v. a. *zu stark un-*

terscheiden RV. PrĀT. 3, 18.

— अनुवि *entlang laufen*: अनु मातरं पृथिवीं वि वावृते RV. 8, 92, 2. — caus. med. *Jmd nachteilen* AV. 15, 7, 2.

— सम् 1) *sich zuwenden, sich einstellen, einkehren*: सं ते वज्रो वर्त्ततामिन्द्र गव्युः RV. 6, 41, 2. AV. 6, 102, 1. मा सं वृता मोयं स्युः 3, 6, 3. *herankommen, sich nähern* R. 4, 39, 28. *auf Jmd* (acc.) *losgehen* MBh. 6, 5325. — 2) *congregi*: सं यद्विशो ऽववृत्तत युध्माः RV. 4, 24, 4. *sich zusammen-thun* (in coitu): सो ऽत्तरोत्त अस्वर्त्तमानः शेते ÇAT. Br. 13, 4, 1, 9. ÇĀKĪH. ÇR. 16, 1, 12. *etwa sich vereinigen, sich zusammenballen* KAUC. 33. *स्वर्त्तम्* absol. PAÑĀT. Br. 14, 12, 7. — 3) *sich bilden, entstehen, hervorgehen*: शीर्ष्ठा घोः समवर्त्तत RV. 10, 90, 14. 121, 1. 7. ÇAT. Br. 6, 1, 1, 10. 2, 1. ÇĀKĪH. GRHJ. 1, 17. *लेत्रज्ञाः समवर्त्तत गात्रे-यस्तस्य* VP. bei MUIR, ST. I, 25, N. 40. येन (भीमेन) भैमाः सुसंवृताः HARIV. 5243. सस्वेदा धुकुटी घोया ललाटे समवर्त्तत MBh. 4, 466. *तस्यात्तर्मनसि कामः समवर्त्तत* NṢ. TĀP. Up. in Ind. St. 9, 72. *sich ereignen, eintreten*: काः कथाः समवर्त्तत तस्मिन्वी-रसमागमे MBh. 12, 1927. *तत्तस्य तेन संवृत्तम्* RĀGĀ-TAR. 1, 271. अद्भुतं ल-लु संवृत्तम् ÇĀK. 74, 22. 68, 3. *व्यवसितस्य मे संवर्धनं संवृत्तम्* VIKR. 57, 2. तेषां कदाचित्संवृत्तो विचरो लोकहेतुना Verz. d. Oxf. H. 68, a, 35. *तदस्या ना-सिकाद्धिदः स्वकर्मणापि संवृत्तः* PAÑĀT. 41, 25. *सुसंवृत्त* BHĀG. P. 10, 87, 10. *नाम्यतामेव रजनी कल्पं सा समवर्त्तत* R. GORR. 2, 117, 1. 6, 14, 24. *शनै-र्मध्याङ्गः समवर्त्तत* KATHĀS. 104, 202. PAÑĀT. 77, 12. *अत्र यात्रामहेतवः संवृत्तः* 43, 3. *मन्वाज्यवांश्च विधिवत्स पद्मः समवर्त्तत* *begann, nahm seinen Anfang* R. GORR. 1, 33, 8. — 4) *in Erfüllung gehen*: संवृत्तः मनोरथः R. GORR. 1, 48, 25. — 5) *werden*: दारुणाः समवर्त्तत ग्रहाः सर्वे प्रदन्तिणाः R. GORR. 2, 40, 10. *स्विन्नाङ्गुलिः संवृते कुमारी* RAGH. 7, 19. *इदानीमस्मि सं-वृत्तः सचेताः प्रकृतिं गतः* BHĀG. 11, 51. *मर्त्या अमर्त्याः संवृताः* MBh. 1, 7280. 3, 2735. 2849. 5, 3354. R. 1, 45, 3. 63, 10. 3, 69, 9. 4, 42, 7. 63, 13. ÇĀK. 5, 11. 13. 6, 14, v. l. दृष्टदोषापि स्वामिनि मृगया केवलं गुण एव (गु-णायिव v. l.) संवृता 23, 6. 63, 7. 100, 18, v. l. 107, 1. VIKR. 63, 1. KATHĀS. 14, 43. 49, 201. RĀGĀ-TAR. 1, 145. PAÑĀT. 5, 12. 38, 19. 123, 24. — 6) *da sein*: तच्छ्रुतसंवर्त्तते KŪĀND. Up. 6, 13, 2. *ब्रह्माप्ये समवर्त्तत* MĀRK. P. 45, 34. *तत्र संवर्त्तते रात्रिः* HARIV. 331. *मृगयां चैव नो गन्तुमिच्छा संवर्त्तते भृ-शम्* MBh. 3, 14839. *शुश्रूषा भवतस्तथा । संवर्त्तताम्* 13, 1423. *ततस्तथा महाक्रन्दः पौराणां भवनेषुभून् । यथैव तस्य नृपतेः स्वगेहे समवर्त्तत ॥* so v. a. *so dass er auch im Palast des Fürsten hörbar war* MĀRK. P. 22, 26. — 7) *सुसंवृत्त* MBh. 15, 191 *fehlerhaft für सुसंवृत्त* (*recht verborgen*), wie die ed. Bomb. liest. — Vgl. संवर्त्त u. s. w. — caus. 1) *zusammenrollen*: उभे यत्समवर्त्तयत् । इन्द्रश्चर्मव रोदसी RV. 8, 6, 5. *वासः संवर्त्तितम्* Verz. d. Oxf. H. 230, b, 10. *ballen*: मुष्टिम् HARIV. 16025. *einwickeln, einhüllen*: संवर्त्तितमिवाकाशं जलदैः MBh. 1, 1298. *संवर्त्तः कल्प्यात्तः स ज्ञातो ऽस्मिन्* NILAK. — 2) *herbeitwenden*: संवर्त्तयन्तो वि चं वर्त्तयन्नदा RV. 5, 48, 3. *संवर्त्तयति वर्त्तनिम् bringt auf seine Strasse* 10, 172, 4. — 3) *rollen lassen* (die Augen): रोषसंवर्त्तितलोललोचन R. 5, 39, 32. 44, 20. 68, 10. *schleudern, werfen*: शौरधानु R. 6, 19, 27. — 4) *zerknicken, zerbrechen*: यथा वायुस्तृपायाणि संवर्त्तयति सर्वशः MBh. 11, 54 = 260. *संवर्त्तयत्तः शै-लेषु वानरा विविधास्तद्वन्* R. 4, 47, 6. 6, 93, 18. *वासुदेवः प्रकृतीतचक्रः सं-वर्त्तयिष्यन्निव जीवलोकम् (सर्वलोकम् ed. Bomb.)* MBh. 6, 2602. इमां सप्त-समुद्रातो संवर्त्तयतु वा मदीम् *zu Grunde richten* R. 4, 13, 8. — 5) *her-*